शिवबाबा का ध्वज फहराते समय सभी दृढ़ता से संकल्प लें कि

1. मन-वचन-कर्म की पवित्रता को धारण कर सदा सुख स्वरूप स्थिति में रहकर सुख-शान्ति का वायब्रेशन फैलायेंगे।
2. हर आत्मा के प्रति शुभ भावना, शुभ कामना के संकल्प रखते हुए मन्सा सकाश देने की सेवा करेंगे।
3. स्वयं भी सदा निर्विघ्न रहेंगे और अपने साथियों को, सम्बन्ध में आने वालों को भी निर्विघ्न बनायेंगे।
4. सदा स्वराज्य अधिकारी, परमात्म दिलतख्तनशीन बन मेरे-मेरे को तेरे में परिवर्तन कर डबल लाइट रहेंगे।
5. लौकिक दृष्टि, वृत्ति, स्मृति को अलौकिक में परिवर्तन कर अपने दिव्यता सम्पन्न चलन और चेहरे द्वारा बाप को प्रत्यक्ष करेंगे।